College Publications

The College publishes magazine “Devsthali”. In Devsthali various activities and achievements, primarily by the staff, both teaching and non-teaching, who have strived hard individually and collectively in different areas are included, and various students related achievements are also included.

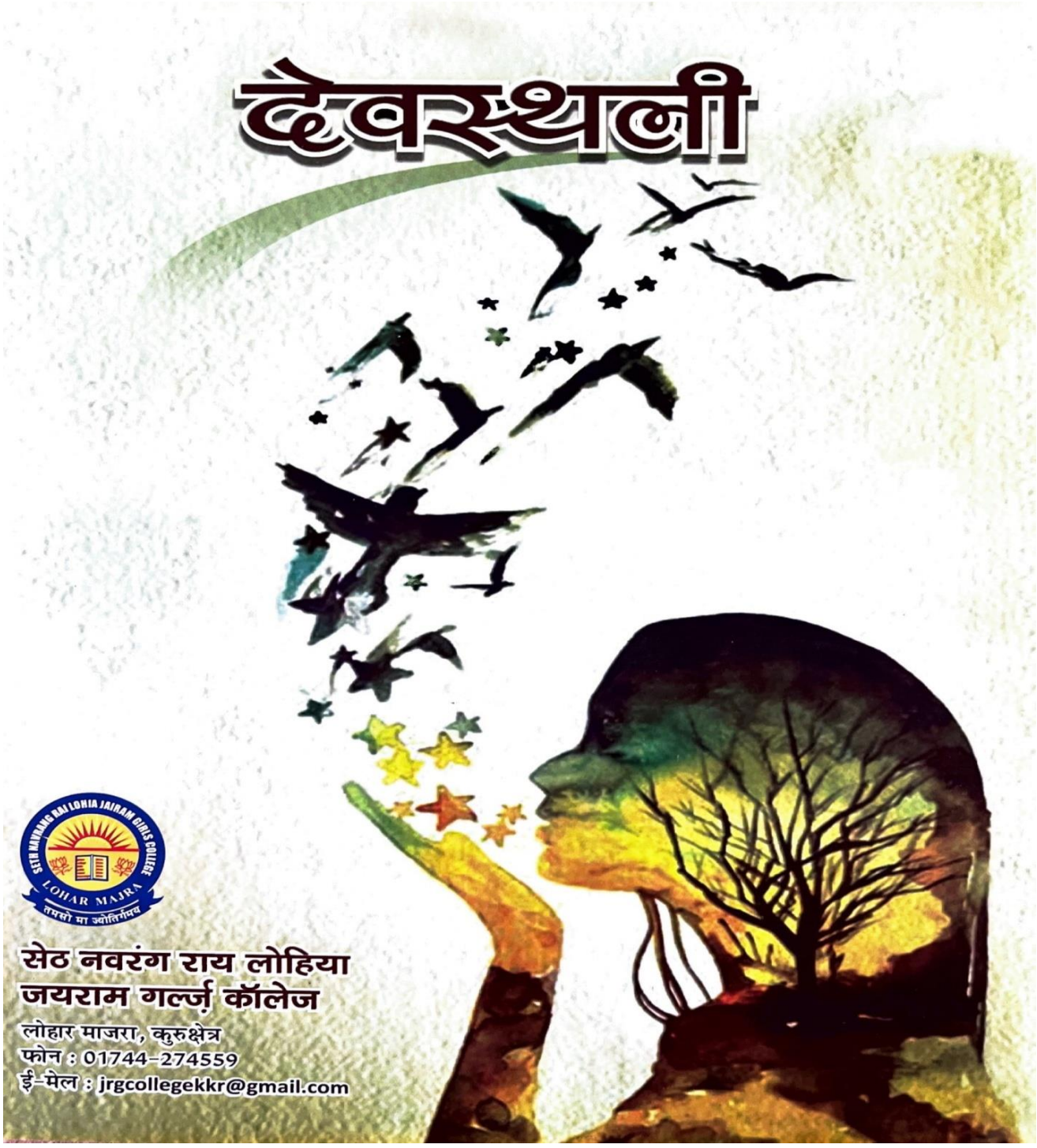

Brahmleen

Sh. Devenderswarup Brahmchari Ji Maharaj

Founder,
Jairam Shikshan Sansthan

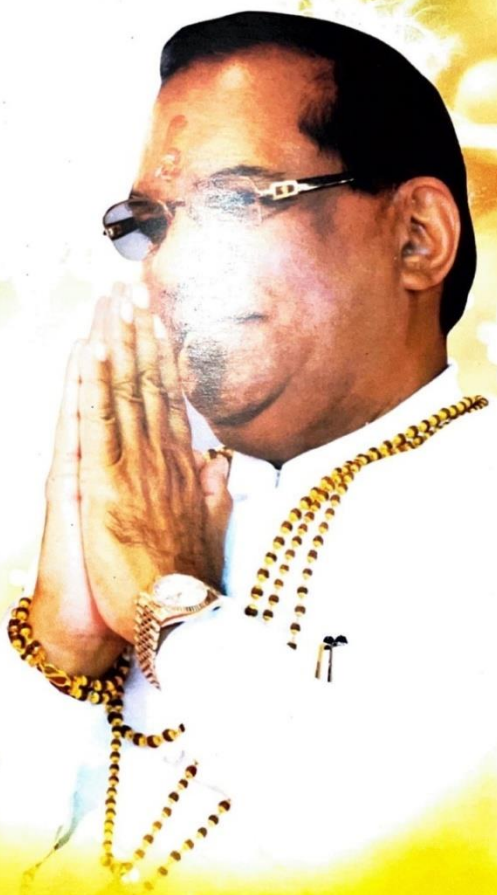

Around 100
other Institutions in
India are being run successfully
under the supervision of
Sh. Brahm Swaroop
Brahmchari Ji Maharaj to
serve the society :
School, Degree Colleges,
Hospitals, Technical Institutions,
Sanskrit Pathshalas,
Gurukuls and 'Askrams.

Sh. Brahm Swaroop Brahmchari

Chairman, Seth Navrang Rai Lohia Jairam Girls College
& Ex. Vice-Chancellor, Sanskrit Vishwavidyalaya, Haridwar (Uttrakhand)

Inauguration of Auditorium (23 August 2017)

Inaugurating the new established 'Devendra Swaroop Brahmchari Auditorium '–
Hon'ble Ram Bilas Sharma, Education Minister with Brahmswaroop Brahmchari & others

Students showing their talent on the occasion of inauguration of Auditorium

Showering his blessings
Hon'ble Sh. Brahmswaroop Brahmchari, Chairman

Sh. Brahmswaroop Brahmchari honouring respected
Ram Bilas Sharma, Education Minister, Haryana

हवन समारोह (1 अगस्त 2017)

(नवीन सत्र के उपलक्ष्य में)

पी0 एन0 बी0 बैंक के उपप्रबंधक एस. के. चोपडा हवन में पूर्णाहुति डालते हुए

हवन मे उपस्थित प्रबन्ध समिति, स्टॉफ एवं छात्राएं

प्रतिभा-खोज प्रतियोगिता (19 सितम्बर 2017)

मुख्य अतिथि डा0 हुकुम सिंह का स्वागत करते संस्था के निदेशक श्री एस0 एन0 गुप्ता

प्रस्तुति देती महाविद्यालय की छात्राएं

छात्रा को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि

फ्रैशर पार्टी

(31 अक्तूबर 2017)

सीनियर छात्राओं ने जूनियर छात्राओं का स्वागत करते हुए फ्रैशर पार्टी का आयोजन किया जिसमें कु. वृन्दा (बी.ए. प्रथम), श्रेया (बी.काम. प्रथम) तथा सर्वजोत (बी.एस.सी. प्रथम) मिस फ्रैशर चुनी गईं। कु. कोमल (बी.एस.सी. प्रथम) मिस आऊटफिट तथा कु. अर्चना (बी.ए. प्रथम) मिस ईवनिंग चुनी गईं

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक अफेयर प्रो0 श्याम कुमार गुप्ता को स्मृति चिह्न भेट करते हुए संस्थान के निदेशक एस0 एन0 गुप्ता और अन्य ।

पूर्व-छात्रा मिलन समारोह

(7 अप्रैल 2018)

अपने विचार व्यक्त करती पूर्व छात्रा।

INDEX

MESSAGES

Prof. Kaptan Singh Solanki (Governer)	i
Sh. Manohar Lal (Chief Minister)	ii
Sh. Ram Bilas Sharma (Education Minister)	iii
Dr. Kailash Chander Sharma (Vice Chancellor)	iv
Sh. O. P. Lohia (Hon'ble Trustee)	v
Sh. Brahm Swaroop Brahmchari (President)	vi
Sh. T. K. Sharma (Vice President)	vii
Sh. S.N. Gupta (Director)	viii
Dr. Geeta Goyal (Principal)	ix
Chief Editors' Editorial	x
Editorial Board	xi
Joining of Principal & Newly appointed Staff	xii

CONTENTS

Our College Stars (Academic)	2
Scholarship Holders	3
Orientation Programme	4
Inauguration of Auditorium	5
Personal Achievements of Faculty (Academic)	6-10
Hawan, Talent Show, Fresher Party & Alumni Meet	11
Hindi Section	12-19
Environment and Placement Cell	20
English Section	21-29
Fine Arts Workshop	30
Seminar: Skill India & Music Department	31
Legal Literacy Cell	32
Sanskrit Section	33-39
Hostel Activities	40
Home Science Department & Cleanliness Drive	41
NSS & Road Safety	42-43
Beti Bachao & Self Defense	44
Punjabi Section	45-51
Inter School Competition, History & Pol Science Department	52
Commerce & Management Section	53-57
Youth Festival	58
Science Section	59-65
Physical Education Department	66-68
College in Media	

देवस्थली

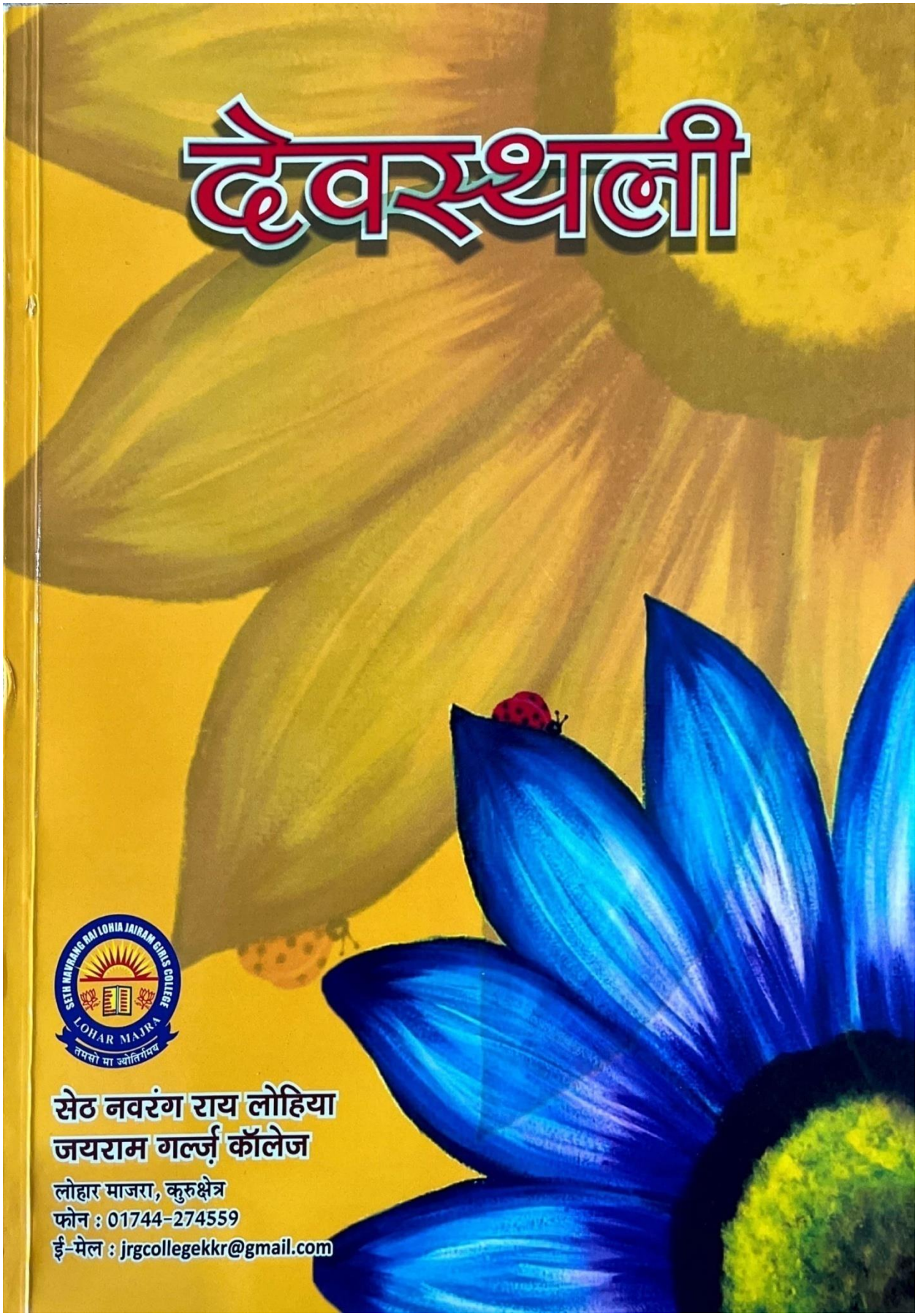

सेठ नवरंग राय लोहिया
जयराम गर्ल्ज़ कॉलेज

लोहार माजरा, कुरुक्षेत्र
फोन : 01744-274559
ई-मेल : jrgcollegekkr@gmail.com

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	लेखक	पेज नं.
1.	भारतीय संस्कृति	वृन्दा	3
2.	शिक्षक	प्रियंका	3
3.	स्वाइन फ्लू-डरना नहीं, बचना जरूरी	ज्योतिका	4
4.	सुंदर विचार	रजनी शर्मा	4
5.	जीवन यात्री	शिवानी	5
6.	अनमोल वचन	सुजाता	5
7.	महिलाओं की स्थिति	ज्योतिका	6
8.	डिजिटल इंडिया	भावना	6
9.	गुलामी को सलामी	नम्रता	7
10.	स्वयंप्रेम और आत्मविश्वास	कुलविन्द्र कौर	7
11.	मैं बादल बन जाँऊ	प्राची शर्मा	8
12.	खेवते	कर्मजीत कौर	8
13.	भाग्य	रजनी शर्मा	8
14.	नारी शिक्षा	स्वाती	9
15.	अवैध घर (लघुकथा)	अंजु	9
16.	पिता	मेघा शर्मा	10
17.	सुंदर विचार	प्राची शर्मा	10
18.	हिंदी भाषा का महत्व	डॉ. सुनीता शर्मा	11
19.	सत्य वचन	सुजाता	12
20.	सरहद के जवान	ज्योतिका	12
21.	मानव जीवन में संगीत	डॉ. अनिता शर्मा	13
22.	नन्हीं की पुकार	निधि	13
23.	''मेरी पीड़ा ही मेरी प्रेरणा''	विधु निर्मल	14
24.	कोशिश करने वालो की हार नहीं होती	शोभा रानी	15
25.	बेटियाँ	ज्योतिका	15
26.	संस्कार	प्रतिभा	16
27.	अमूल्य बातें	मंजली	16
28.	माँ की रक्षा	सोनिया	16
29.	एक दौड़ ऐसी भी	मीना	17
30.	साथी हाथ बढाना (गीत)	मंजली	17
31.	एक कविता हर माँ के नाम	अंजली	18
32.	शुभ विचार	निधि मैहरा	18
33.	बेटियां	अंजली	18
34.	अमूल्य बातें	मीना	19
35.	पर्यावरण	रवीना	19
36.	कहानी सच्चे मित्र	सोनिया	19
37.	कर्म पथ	श्वेता	20
38.	अजन्मी बेटी का दु:ख	रवीना देवी	20

''भारतीय संस्कृति''

वृन्दा
बी.ए.-प्रथम

समृद्ध संस्कृति और विरासत की भूमि है भारत जहां लोगों में इंसानियत, उदारता, एकता, धर्मनिर्पेक्षता, मजबूत सामाजिक संबंध और दूसरे अच्छे गुण हैं। दूसरे धर्मो के लोगों द्वारा ढेर सारी क्रोधी क्रियाओं के बावजूद भी भारतीय हमेशा अपने दयालु और सौम्य व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। अपने सिद्धांतों और विचारों में बिना किसी बदलाव के अपनी सेवा भाव और शांत स्वभाव के लिए भारतीयों की हमेशा तारीफ होती है।

भारत महान किंवदतियों की भूमि है जहां महान लोगों ने जन्म लिया और ढ़ेर सारे सामाजिक कार्य किए। वो आज भी हमारे लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं। भारत महात्मा गाँधी की भूमि है जहाँ उन्होंने लोगों में अहिंसा की संस्कृति पल्लवित की है।

भारत की संस्कृति में सबकुछ हैं जैसे विरासत के विचार लोगों की जीवन शैली, मान्यताएँ रीति-रिवाज, मूल्य, आदत, परवरिश, विनम्रता, ज्ञान आदि। संस्कृति दूसरों से व्यवहार करने का, सौम्यता चीजों पर प्रतिक्रिया करने का, मूल्यों के प्रति हमारी समझ का न्याय सिंद्धात और मान्यताओं को मानने का एक तरीका है। पुरानी पीढ़ी के लोग अपनी संस्कृति और मान्यताओं को नयी पीढ़ी को सौंपते हैं।

लगभग पाँच हजार वर्ष पहले से ही विभिन्न धर्मों की उत्पत्ति की अपनी जड़ है। ऐसा माना जाता है कि यहाँ वेदों से हिन्दू धर्म का आरंभ हुआ है। हिन्दू धर्म के सभी पवित्र धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गए है। कई सारे युग आये और गये लेकिन कोई भी इतना प्रभावशाली नहीं हुआ कि वो हमारी वास्तविक संस्कृति को बदल सके।

हमारे राष्ट्र की ये महान संस्कृति है कि हम बहुत खुशी के साथ अपने घर आए मेहमानों की सेवा करते हैं क्योंकि मेहमान भगवान का रूप होता है। इसी वजह से भारत में ''अतिथि देवो भव:'' का कथन बेहद प्रसिद्ध है। हमारी संस्कृति की मूल जड़ इंसानियत और आध्यात्मिक कार्य हैं।

जोड़ सके जो सबको, उसका नाम है एकता।
इसी से मिलती है सबको, दुनिया में सफलता।।

शिक्षक

प्रियंका
बी.ए.-द्वितीय

अज्ञान का अँधेरा जब पथ पर गहराता है,
ज्ञान की ज्योति जलाने शिक्षक जिंदगी में आता है।
स्वभाव पर दुर्भावना का अँधेरा छाता है
दीपक की लौ जलाने शिक्षक जिंदगी में आता है।,
उसे आदर की चाह न रही कभी ,
पर हमने भी अंधकारवंश डाँट न सही कभी।
अधजल घघरी छलकट जाए जब अंधकार छा जाता है।
गागर के सागर को भरने शिक्षक जिंदगी में आता है।
चक पर मिटटी चढ़ा कुम्हार जो धर्म निभाता है।
चाक से वो कर्म लिखने, शिक्षक जिंदगी में आता हैं
वही एक सच्चा शिक्षक कहलाता है।

कोशिश करने वालो की हार नहीं होती

शोभा रानी
बी.ए.-प्रथम

लहरों से डर का नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती,
नन्ही चीटीं जब दाना लेकर चलती हैं,
चढती दीवारों पर, सौ बार फिसलती हैं,
मन का विश्वास, रंगों में साहस भरता है....
चढ कर गिरना, गिरकर चढ़ना-नहीं अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं.....
डुबकियां सिंधु में, जब गोताखोर लगाता है
जा जा कर, हर बार, खाली हाथ लौट आता है,
मिलते ना सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढता दुगना उत्साह इसी हैरानी में.....
क्योंकि मेहनत कभी बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती.....

बेटियाँ

ज्योतिका
बी.ए. द्वितीय

देख रहे थे इक-टक उसको,
श्रृंगारित हो आई थी,
कल तक आँगन में खेली जो
अब बेटी वही पराई थी।
लाजों से पाली शहजादी के,
जाने का दर्द सताता था,
नीर भरी अखियन में माँ की,
इक उबाल सा आता था।
जिन हाथों ने थामा बचपन,
अब उँगली वही छुडाते थे,
कन्यादान की पीड़ा से भावुक,
पिता के नयन भर-भर आते थे।
छूट रहे थे नाते सारे,
लोक-रीत वही निभाई थी,
बाबुल की चौखट से उसकी,
हो रही आज विदाई थी,
कल तक आँगन में खेली जो,
अब बेटी वही पराई थी।

गुलामी को सलामी

नम्रता
बी.ए.-प्रथम

नया जमाना है नई पीढ़ी का पंसदीदा स्टाईल
यारो एक हाथ में जाम दूजे में सिगरेट
कानों पे लगा मोबाईल यारों जाम से जो
करे, तौबा, कहे उसको जाहिल यारो पश्चिमी
समंदर में डूबे सारे हाथ से छुटा साहिल
यारों नित बढ़ रही अपराधों की गिनती और
एडस की फाईल यारों राह चलती हसीनाओं
पर छीटांकशी, मारे बेखौफ लाईन यारो
नशे का रंग बड़ा गहरा, देसी बोतलों में
भरी अंग्रेजी वाईन यारों करके सारी
अपनी बोलियाँ एक तरफ, अंग्रेजी में करे
साईन यारो छाती फूला बोले गिटपिट
अंग्रेजी, कहे कलचर बड़ा फाईन, यारों
रो रही शहीदों की टोली कहे लगे न भारत
माईन यारों पश्चिम की और दौड़ सभी
की, कैसे करेगा इंडिया शाईन यारों।

स्वयंप्रेम और आत्मविश्वास

कुलविन्द्र कौर
बी.ए.-तृतीय

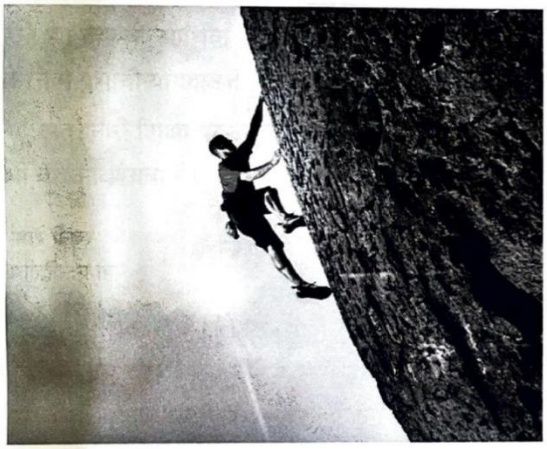

कोई भी इंसान कुछ भी पा सकता है इसके लिए हमें किसी की नकल करने की जरूरत नहीं। जरूरत है तो अपने ऊपर विश्वास रखने की, अपनी काबिलियत के साथ खड़े रहने की। अक्सर ऐसा होता है कि हम दूसरों की तरह बनना चाहते है तथा अपनी पहचान और काबिलियत पर कम भरोसा करते हैं तथा अपने अंदर की प्रतिभा को पहचान नहीं पातें दूसरों के जैसा बनने के चक्कर में हम अपनी पहचान को ही दबा देते है। यह सही है कि कामयाबी पाने के लिए हम अपना एक लक्ष्य या आदर्श चुनें लेकिन यह जरूरी तो नहीं की हम उसी के जैसा समान बनें। हर इंसान की अलग पहचान होती है तथा उसका कामयाबी तक पहुँचने का एक अलग ही तरीका होता हमें अपनी पहचान के अंदर ही सुधार करने की जरूरत होती है। यहाँ बात स्वयंप्रेम की हो रही तो स्वयंप्रेम और आत्मविश्वास से जुडी यह कहानी एक कौए की है जो मोर जैसा बनना चाहता है। एक दिन इस इच्छा की पूर्ति के लिए वह मोर के पंख अपने ऊपर लगा लेता है तथा मोरों में झुंड में पहुंच जाता है तो जब मोर यह देखते है कि कोई कौआ उन के बीच आ गया है तो वह उसे नोच डालते है। जब वह वापिस कौओं के पास जाता है तो वह भी उस आधे मोर तथा आधे कौए जैसे इसपक्षी को भगा देते है तथा वह दोनों तरफ घृणा का पात्र बनता है तथा अन्त में वह कौआ बनकर ही वापस अपने झुंड में चला जाता है। हमें अपनी कामयाबी पाने के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं है हर कोई अपनी जिंदगी का हीरो है। जरूरत है तो सिर्फ स्वयं से प्रेम करने की तथा अपने आप को पहचानने की तथा अपने आप पर विश्वास रखने की।